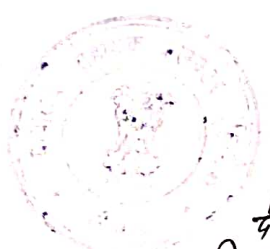


12 1/2 पत्तावली पेश हुई। वकील डा. श्री उपास्त्रित ।  
 भ. डा. श्री नेरेया 01, 02, 03, की ओर से वकील वि. डी. चन्द  
 भुमल टाजिद । वकील डा. श्री एवं भ. डा. श्री ने उपास्त्रित  
 होकर विवेदन किया कि फल बाद के निस्तारण एक नौका है  
 जिसकी सम्पत्ति बनाये रखने के आदेश फरमाये । पत्तावली  
 के प्रव में जारी स्प्रगन आदेश दिनांक 14.12.23 के  
 रिफर की सम्पत्ति हेतु जांचद किया गया था । जिसमें  
 न्यायालय द्वारा उक्त पत्रों का रिफर के माब-2 नौके की  
 भी सम्पत्ति बनाये रखने हेतु जांचद किया जा रहा है ।  
 उक्त आदेश उपास्त्रित कथानी रात्तू, पुराने प्रान की प्राम्त  
 एवं विद्युत कनेक्शन पर लागू नहीं होगा । फल बाद के  
 निस्तारण एक भ. रिफर एवं नौके की सम्पत्ति बनाये  
 रखने । पत्तावली फौजल शुमाट होकर नम्बर से कम है ।  
 दारिजल यफ्तर है । पुनश्च वकील उजियादी सेरया । न. उ.  
 ने आवेदन पर दिनांक 12 1/2 के  
 निधीय परित जिसमें शीनो परा भूदि  
 नमरा नम्बर 288, 400, 401 उक्त  
 भजीलपुरा के राजस्व रिफर एवं नौके  
 की लिजि के भलावा जो उक्त नदामल  
 की शर्त आवेदन स्वीकार करने में नौके आपत्ति नहीं  
 है । शर्त आवेदन स्वीकार कर उपरोक्त स्प्रगन आदेश में  
 आशिक संशोधन करते हुए उक्त स्प्रगन आदेश मौफा एवं  
 रिफर की सम्पत्ति बनाये रखने । पत्तावली फौजल शुमाट  
 होकर नम्बर से कम है । दारिजल यफ्तर है ।

नौको परा  
 मौफा एवं  
 रिफर है  
 सकार्यकारी  
 बनाये रखने  
 नौके की  
 कोप लिगरी  
 (इ. प्र. अ. गि. ग.)  
 श्री उ. जी



सहायक कलक्टर (द्वितीय) सीकर



सहायक कलक्टर (द्वितीय) सीकर